सबको शामिल करना: प्राथमिक गणित

हिन्दी
कमेंट्री: इस प्राथमिक शाला में, अलग अलग भाषा व बोलियों वाली पृष्ठभूमि के लगभग ९० विद्यार्थी, एक ही शिक्षक के साथ पढते हैं। एक कमरे की इस बहुवर्गीय शाला को - एक अधूरी दीवार बाँटती है, जो कक्षा १ और २ के विद्यार्थियों को भी, बाकी विद्यार्थियों से अलग करती है। कक्षा ३ की दो खड़ी कतारें, कक्षा ४ की दो खड़ी कतारें, और कक्षा ५ की तीन खड़ी कतारें, एक ही जगह साथसाथ बैठती हैं। यहाँ शिक्षक, अपने सभी विद्यार्थियों को अर्थपूर्ण गतिविधियों में कुशलतापूर्वक जोड़ रहे हैं। वह कक्षा ३, ४ और ५ के साथ भिन्न की अवधारणा को दोहराते हुए शुरुआत करते हैं। **शिक्षक:** अब मैं आपको, यहाँ पर तीन या चार भिन्न दूँगा, और वो भिन्न के चित्र बनाएँगे। आप लोग ये कार्ड पे बनाएँगे। लेकिन कैसे बनाएँगे? अपन group में बनाएँगे। जहाँ बैठे हैं, वहीं पे आप लोग - पीछे की side घूम जाएँगे आगे वाले बच्चे - और चार-चार, पाँच-पाँच या छह-छह के group बना लेंगे - आप लोग आपस में। आपस में एक-दूसरे की मदद करना है। अब मैं उन छोटे बच्चों को थोड़ासा पढ़ा दूँ। ठीक है? कमेंट्री: ध्यान दीजिए, शिक्षक अपने समय का कैसे प्रभावी ढंग से उपयोग करते हैं। कैसे वह अलग अलग कक्षाओं में सहजता से आते-जाते हैं, और यह सुनिश्चित करते हैं, कि उनके सभी विद्यार्थी अपनी अपनी गतिविधियों में ध्यान से लगे हुए हैं। इस पर भी ध्यान दीजिए, कि कैसे वह कक्षा १ और २ के विद्यार्थियों के साथ, उनकी घर की भाषा का प्रयोग करते हैं, ताकि धीरे धीरे शाला की भाषा सीखने के दौरान भी, विद्यार्थी उनकी बातें समझ सकें।

शिक्षक: तुम कांय करी रीया हो?

विद्यार्थी १: मूँ पढ़ी रियो हूँ।

विद्यार्थी २: मूँ पढ़ी रियो हूँ।

शिक्षक: अच्छा। ओह! अ... Very good! लिखने का काम थोड़ी देर के लिए बंद कर दीजिए। अपन, आज खेल खेलेंगे, नया। अब अपन, गिनती को जोड़ना सीखेंगे। क्या करेंगे?

विद्यार्थी: जोड़ना सीखेंगे।

शिक्षक: ये इसको क्या बोलते हैं, अपनी भाषा में?

विद्यार्थी १: दग्गड़।

शिक्षक: दग्गड़। और वो बिल्ली को क्या बोलते हैं?

विद्यार्थी १: मिन्गी।

शिक्षक: मिन्गी। कौन बोला मिन्गी?

विद्यार्थी १: हम।

शिक्षक: हाथ ऊँचा करो! मांजरी भी बोलते हैं? शाब्बास!

मेरे पास हैगी, आइसक्रीम खाने की चम्मच।

शिक्षक साक्षात्कार:

लगभग तीन भाषाएँ mix हो जाती है यहाँ पे। नीमाड़ी होती है, भीली भाषा होती है, और थोड़ीसी हमारी मालवी भी mix हो जाती है। और उसमें क्या होता है, कि बहुतसी बार, बच्चा ऐसा शब्द बोल देता है, कि मुझे भी confusion हो जाता था। फिर मैं उसी के वर्ग के किसी बड़े बच्चे से पूछता हूँ कि, "यार, ये क्या बोल रहा है? मेरे को समझा तो ज़रा!" तो वो concept मुझे एक बार समझ में आ जाता है, तो फिर अगली बार जब भी कोई अगर वही भाषा या उस शब्द का उपयोग करता है, तो मैं आसानी से उसको पकड़ लेता हूँ, उसको आगे फिर manage कर लेता हूँ।

शिक्षक: ये कितनी हैं?

विद्यार्थी: दो।

शिक्षक: ऐसे? शाब्बास! अब कितनी हो गईं?

विद्यार्थी: चार।

शिक्षक: चार हो गईं? शाब्बास! ये कितनी हैं?

विद्यार्थी: दो।

शिक्षक: दो। और ये चार। दो इ दो, मिला दूँ? दो इ दो? अब कितनी हो गईं?

विद्यार्थी: छह।

शिक्षक: छह। मुझे उँगली पर गिन के बताओ - छह।

विद्यार्थी: एक, दो, तीन, चार, पाँच, छह!

शिक्षक: शाब्बास! अब अपन यहाँ पर जोड़ करेंगे एक बार और। कॉपी निकालो अपनी-अपनी सब बच्चे। अब इसमें जोड़ का निशान लगाएँगे। जोड़ का निशान ऐसा होता है। शाब्बास!

कमेंट्री:

शिक्षक अपने विद्यार्थियों को एकसाथ काम करने और एकदूसरे की मदद करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, जिससे कोई भी विद्यार्थी छूटे नहीं। ऐसा करके वह कक्षा में एक सकारात्मक और सहयोगपूर्ण वातावरण बनाते हैं।

शिक्षक: हाँ, लिखिए आराम से लिखिए। हाँ, हाँ, हाँ।

विद्यार्थी २: अभी रुकना, sir जी।

शिक्षक: हाँ, मैं रुका हुआ हूँ। आप लोग आराम से लिखिए।

विद्यार्थी २: फिर लिख दिया, sir जी।

शिक्षक: जिसने-जिसने सही करा हो, वो अपनी कॉपी में ऐसे right का निशान लगा लीजिए, और अपना-अपना हाथ से अपना-अपना नाम लिख लीजिए।

विद्यार्थी १: Sir जी, please.

शिक्षक: Very good! शाब्बास! Very good, दुर्गा!

विद्यार्थी ३: Sir जी।

शिक्षक: Very good!

विद्यार्थी ४: Sir जी।

शिक्षक: Very good!

विद्यार्थी ४: Sir जी।

विद्यार्थी ५: Sir जी।

शिक्षक: बहुत अच्छे, किरन!

ये वाला सवाल आप लोग करेंगे, सभी बच्चे।

शिक्षक साक्षात्कार:

सभी class को पढ़ाने में थोड़ी दिक्कत तो आती है। लेकिन मैं क्या करता हूँ, मतलब एक विषय में, जैसे गणित के लिए की जाए बात, तो उसमें लगभग तीनों class, एक समान topic जो रहता है, छोटी-छोटी गतिविधियाँ करवा देते हैं उससे संबंधित। तो बच्चे कर लेते हैं, वो लोग आपस में manage करके। अगर किसी को नहीं आता है, छोटे बच्चों को, तो बड़ा बच्चा बता देता है, या फिर उसकी class वाला ही कोई बच्चा बता देता है।

शिक्षक: अच्छा बच्चों, आप लोग, मेरी तरफ ध्यान दीजिए सब बच्चे। शाब्बास!

क्या आप लोगों ने - मैंने ये भिन्न दी थी - इसके चित्र बना लिए हैं सबने?

विद्यार्थी: हाँ।

शिक्षक: Very good!

विद्यार्थी: Sir जी।

शिक्षक: अब आप लोग अपने-अपने कार्ड के ऊपर अपना-अपना नाम लिख लीजिए।

विद्यार्थी: लिख लिया।

शिक्षक: लिख लिया?

अब दूसरा काम ये करना है, आप लोग अपना कार्ड इससे बदल लो - और उसका कार्ड इसको दे दो। आपस में बदल लीजिए कार्ड।

क्या आपने ऐसा चित्र बनाया है?

विद्यार्थी: हाँ।

शिक्षक: शाब्बास! तो अपनी उसमें right का निशान लगा दीजिए, जिसने ऐसा चित्र बनाया है।

ये दो colour भर दिए?

कोई जरूरी नहीं है कि सभी colour पास-पास में ही भरें। दूर भी भर देंगे तो उत्तर गलत नहीं होगा।

मैं एक-एक बच्चे का कार्ड लूँगा, और मैं इसको बाद में check करूँगा, मुझे जब भी थोड़ीसी फुरसत मिलेगी, जब।

लाइए, अपनी अपनी जगह बैठते भी जाइए। बैठते भी जाइए अपनी जगह पर।

ये आप इसका जोड़ करना सीखेंगे।

कमेंट्री:

अब शिक्षक अपने पाठ का अगला हिस्सा पढाने के लिए कक्षा कक्षा ३, ४ और ५ को एक नया काम देते हैं।

शिक्षक: क्या कोई ऐसा बच्चा है, जिसको समझ में नहीं आया? नहीं आया तो हाथ ऊँचा कर सकता है - अभी मुझसे। अब मैं आपको यहाँ पे भिन्न के जोड़ के दो सवाल देता हूँ, उस सवाल को हल करना है, और अगर problem आ रही है, तो दो-दो, तीन-तीन एक साथ बैठ जाइए, और समझ-समझ के भी कर सकता हैं। सब बच्चे करना है। ठीक है?

गिनती लिखो।

शाब्बास! बहुत अच्छे।

आपने गिनती लिखी है? Very good!

विद्यार्थी: Sir जी। Sir जी।

शिक्षक: बहुत अच्छे, सुमीत।

एक मिनट हँ, बेटा! देखता हूँ अभी आपका भी। है ना?

शाब्बास! बाकी सब सही है, ये एक - थोड़ा सा - तीनों line में आना चाहिए, बेटा।

आप बताइए। आपने गिनती लिखी?

विद्यार्थी: Sir जी। Sir जी।

शिक्षक: बड़े बच्चों, क्या आप लोगों ने ये भिन्न कर लिये?

विद्यार्थी: हाँ, sir.

शिक्षक: शाब्बास! एक बार घर पर जा के चित्र भी बना के लाना है।

विद्यार्थी: हाँ।

शिक्षक: ठीक है?

शिक्षक साक्षात्कार:

शुरूवात की जाती है, किसी भी subject या विषय की, तो कमज़ोर से मज़बूत की ओर आना चाहिए। जो बच्चा सबसे कमज़ोर हो, उस पर सबसे ज्यादा ध्यान देना है। यदि कभी भी प्रश्न की बात आएगी, या समझाने की बात आएगी, तो अपन उसको व्यक्तिगत बोलेंगे कि, "बेटा! देखो, समझ में आया? नहीं आया? अच्छा, चलो! फिर से समझा देता हूँ।"

कमेंट्री:

सक्रिय रूप से सीखने में, सभी विद्यार्थियों को जोड़े रखने के लिए, कक्षा का प्रभावी प्रबंधन महत्वपूर्ण है। इन शिक्षक के कौन-कौन से तरीके, आप अपनी कक्षा में अपना सकते हैं?